Year-5 Volume: IV, October-December, 2023 Issue-20 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

10. वेबसीरीज के संवादों का सामाजिक व मनोवैज्ञानिक अध्ययन (विशेष सन्दर्भ: मिर्ज़ापुर)

अरुण जायसवाल
रिसर्च स्कॉलर, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
मंदसौर विश्वविद्यालय, मंदसौर
ईमेल- *arunjgzp@gmail.com*
डॉ. रामसुंदर कुमार
सहायक प्रोफ़ेसर
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
मंदसौर विश्वविद्यालय, मंदसौर
ईमेल- *ramsunder.kumar@meu.edu.in*

सारांश

प्रस्तुत शोध आलेख में वेबसीरीज में समाहित संवादों का अध्ययन किया गया है। आज वेब सीरीज आधुनिक मनोरंजन का एक अभिन्न अंग बन गई है, जिसमें लाखों युवा दर्शक अपने पसंदीदा शो देखने के लिए उत्सुक हैं। इन श्रृंखलाओं में अक्सर संवादों की एक विस्तृत सीरीज होती है जो न केवल मनोरंजन करती है बल्कि युवाओं की धारणाओं, विश्वासों और दृष्टिकोणों को भी आकार देती है। यह शोध पत्र युवाओं पर वेब सीरीज में शामिल संवादों के सामाजिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव की पड़ताल करता है, जिसमें सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलुओं पर चर्चा की गई है। आमतौर पर यह देखा जाता है कि युवा पीढ़ी, विशेषकर बच्चे और किशोर फिल्मों या सीरियल्स से संवाद, गीत, एक्शन, रहन सहन के तरीके आदि सीखते हैं, और बाद में यह लंबे समय तक उनके दिमाग में रहता है या फिर कभी-कभी यह भी देखने को मिलता है कि बच्चे फिल्मों में दिखाए गए एक्शन और संवाद अक्सर कॉपी करते हैं। वहीं पिछले कुछ सालों में वेबसीरीज के कंटेंट में खुलापन भी बढ़ा है, चाहे वह संवाद की बात हो या दृश्यों की। ऐसे में इसका समाज और लोगों पर कुछ सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, जिसका अध्ययन इस शोध पत्र में किया गया है।

मुख्य शब्द – वेबसीरीज, सामाजिक प्रभाव, आपत्तिजनक कंटेंट, संवाद

प्रस्तावना

संचार हमारे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है और आज हमारे समाज में संचार के अनेको माध्यम मौजूद हैं, जैसे कि अखबार, रेडियो, टेलीविजन और सिनेमा। इनमें सिनेमा संचार का सबसे सशक्त माध्यम माना जाता है। डिजिटल

Year-5 Volume: IV, October-December, 2023 Issue-20 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

मीडिया और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के आगमन ने लोगों के मनोरंजन उपभोग के तरीके में क्रांति ला दी है। विशेष रूप से, हिंदी वेब सीरीज ने युवाओं के बीच काफी लोकप्रियता हासिल की है, जो विविध प्रकार की सामग्री पेश करती है जो अक्सर जटिल और विचारोत्तेजक विषयों की खोज करती है। इन वेब श्रृंखलाओं के संवाद युवाओं के सामाजिक और मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हाल के वर्षों में, हिंदी वेब सीरीज मनोरंजन के एक प्रमुख रूप के रूप में उभरी है, जो भारतीय आबादी, विशेषकर युवाओं के व्यापक स्पेक्ट्रम को शामिल कर रही है। ये वेब सीरीज़ अक्सर विविध विषयों और मुद्दों का पता लगाती हैं जो समकालीन सामाजिक चिंताओं से मेल खाते हैं। इन कथाओं में अंतर्निहित संवाद दृष्टिकोण को आकार देने, धारणाओं को प्रभावित करने और युवाओं के मानस पर स्थायी प्रभाव छोड़ने की शक्ति रखते हैं।

विषय विवेचन

भारत में वेबसीरीज का प्रभाव इतना बढ़ गया है कि अमेरिका की दो सबसे बड़ी कंपनिया नेटफ्लिक्स और अमेज़न प्राइम ने भारतीय भाषा में कंटेंट बनाना शुरू कर दिया है। भारत में अमेज़न प्राइम, नेटफ्लिक्स, जी 5, हॉटस्टार प्रीमियम, अल्ट बालाजी जैसे कुछ सबसे प्रसिद्ध एप्लीकेशन है जिनकी मदद से हम वेबसीरिज का आनंद उठा सकते है।

इन दिनों अधिकतर वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफ़ॉर्म पर 'बोल्ड और भड़काऊ कंटेंट' भी देखें जा सकते हैं, साथ ही उनके संवादों में गाली-गलौज से लेकर लिंगसूचक, जातिगत और व्यक्तिगत टिप्पणी का शामिल होना अब जैसे सामान्य हो गया है । इसका एक बड़ा कारण यह भी माना जा सकता है कि इस तरह के कंटेंट आज के उस युवा वर्ग का अधिक ध्यान आकर्षित करते हैं, जिनके कंधो पर कल के समाज की जिम्मेदारी है।

दर्शक, खासकर युवाओं में बेहद ही चर्चित वेब सीरीज़ मिर्ज़ापुर, भारत में अमेज़न प्राइम पर सबसे लोकप्रिय मेड-इन-इंडिया ओरिजिनल क्राइम सीरीज़ में से एक है। यह एक्शन क्राइम थ्रिलर शैली से संबंधित है और सीज़न-1 2018 में रिलीज़ किया गया था और सीज़न-2 साल 2020 में रिलीज़ किया गया था। दोनों सीज़न में, अत्यधिक हिंसा, सेक्स, अनुचित भाषा, डार्क पॉलिटिक्स और गैर-मौजूदा जैसी एक ही तरह की सामग्री को दर्शाया गया है। हमने उपलब्ध मापदंडों पर सामग्री का आकलन करने के बाद अध्ययन किया है कि मिर्ज़ापुर में हिंसा काफी हद तक आधारहीन है, और भाषा अत्यधिक अतिरंजित, अश्लील और अधिकतर शत्रुतापूर्ण है। यह सीरीज यौन क्षणों, भीषण हत्या, हिंसा और मौखिक दुर्व्यवहार से भरी हुई है। मुख्य पात्रों में से एक का आरंभिक संवाद अपशब्दों और अश्लील अपवित्रता से भी भरा हुआ है। इसमें नैतिक और सांस्कृतिक रूप से विचलित भाषा और व्यवहार, विशेष रूप से कठोर और अपमानजनक संवाद शामिल हैं, जिन्हें मुख्य रूप से उजागर किया गया है।

"ओह भो***ड़ी वाले चाचा। आराम करो, वरना रेस्ट इन पीस हो जाओगे!"

Year-5 Volume: IV, October-December, 2023 Issue-20 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

“माता जी यहाँ है, बहन यहाँ है, माँ-बहन एक करने में आसान होगी।”

“च****या है वो महत्वपूर्ण नहीं है। हमारा लड़का है, वो ज़रूरी है।”

“मध्यम वर्ग का आदमी, आदमी नहीं च****या होता है। च****या ।”

"जाति प्रथा काहे बन गई, इसलिए ही ना कि पावर हमेशा हम ब्राह्मणों के हाथ में रहे" "भ****के, अमर हैं हम, ...च****ए नहीं...

हालांकि कई हिंदी वेब सीरीज़ लैंगिक असमानता, भेदभाव और मानसिक स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों को संबोधित भी करती हैं। इन श्रृंखलाओं के समाहित कंटेंट और संवाद जागरूकता बढ़ाने और इन समस्याओं के बारे में विचार उत्पन्न करने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में काम करते हैं। वे युवाओं को सार्थक बातचीत में शामिल होने, बदलाव की वकालत करने और इन मुद्दों के समाधान में सक्रिय भागीदार बनने के लिए प्रेरित करते हैं। वहीं दूसरी तरफ आपत्तिजनक कंटेंट भी कहीं न कहीं युवाओं को लुभाते नज़र आते हैं।

वहीं वेब सीरीज में अच्छे ढंग से लिखे गए संवाद दर्शकों में मजबूत भावनाएं जगाने की ताकत रखते हैं। वे दर्शकों को पात्रों के प्रति सहानुभूति दे सकते हैं, जिससे गहरा भावनात्मक संबंध बन सकता है। यह भावनात्मक प्रतिध्वनि युवाओं के अपनी भावनाओं से जुड़ने के तरीके को प्रभावित कर सकती है, जिससे उन्हें भावनाओं को बेहतर ढंग से समझने और संसाधित करने में मदद मिलती है। वहीं वेब सीरीज में जटिल और भरोसेमंद किरदारों के संवाद युवाओं के लिए रोल मॉडल का काम कर सकते हैं। वे चरित्र विकास, लचीलेपन और समस्या-समाधान में अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं, दर्शकों को व्यक्तिगत विकास और आत्म-सुधार के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करते हैं।

इसके अलावा, हिंदी वेब सीरीज के संवाद अक्सर जटिल मानवीय भावनाओं, मानसिक स्वास्थ्य संघर्ष और अस्तित्व संबंधी दुविधाओं को उजागर करते हैं, जो दर्शकों के मनोवैज्ञानिक अनुभवों से मेल खाते हैं। इन संवादों में सहानुभूति जगाने, आत्म-चिंतन को प्रोत्साहित करने और भावनात्मक जागरूकता को बढ़ावा देने की क्षमता है। वे अवसाद, चिंता और पहचान संकट जैसे संवेदनशील विषयों को संबोधित करते हैं, जिससे युवाओं को अपनी भावनात्मक यात्राओं में वैधता महसूस करने का मौका मिलता है। इसके अलावा, व्यक्तिगत चुनौतियों और आंतरिक संघर्षों पर काबू पाने वाले पात्रों का चित्रण करके, ये संवाद युवाओं में लचीलेपन की भावना पैदा करते हैं और युवाओं को साहस और दृढ़ संकल्प के साथ अपनी प्रतिकूलताओं का सामना करने के लिए प्रेरित करते हैं।

Saeed, Muzammil. Ali, Farahat. (2021) अपने शोध Consumption of Sexually Explicit Content through Web Series and Emerging Adults' Sexual Objectification: An Empirical Study में कहते है कि अधिकतर वेबसीरीज में महिलाओं को एक वस्तु की तरह परोसा गया है और उन कंटेंट में सेक्सुअलिटी अधिक परोसा गया है, जिससे कि दर्शकों को आकर्षित किया जा सके। इस तरह के कंटेंट के मामले में पुरुषों की

Year-5 Volume: IV, October-December, 2023 Issue-20 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

तुलना में महिलाओं का प्रस्तुतीकरण अधिक किया जाता है। वेबसीरीज के इस तरह के कंटेंट दर्शकों को आकर्षित करने के आलावा, महिला व पुरुष के सेक्सुअल व्यवहार को भी प्रभावित करते हैं।

वहीं Singh, Pavitar. (2021) अपने शोध अध्ययन A Comparative Study of Content, Audience and Medium of Web Series and TV Soap Opera में बताते है कि डेली सोप ओपेरा लोगों की बोलचाल की भाषा को प्रभावित करता है। वहीं वेब सीरीज की भाषा टीवी सोप ओपेरा से ज्यादा आपत्तिजनक है। साथ ही वेब सीरीज में टीवी सोप ओपेरा की तुलना में अधिक यौन सामग्री सम्मिलित है। लोग अपने परिवार के साथ टीवी सोप ओपेरा देखना पसंद करते हैं। जबकि दर्शक अकेले वेब सीरीज देखना पसंद करते हैं। ऐसे में इसका प्रभाव उनपर अधिक होता है, क्योंकि मोबाईल, लैपटॉप जैसे उपकरण का प्रयोग वेबसीरीज के लिए अधिकतर किया जाता है, जो निजता क साथ साथ स्वतंत्रता भी देते हैं।

ओटीटी 18 वर्ष से 24 वर्ष के युवाओं को प्रभावित रहा है। शोध के अनुसार 64.3% लोग टीवी की तुलना में ऑनलाइन स्ट्रीमिंग सेवाओं को प्राथमिकता देना पसंद करते हैं। अध्ययन में यह भी पाया गया है कि इसके चलते युवाओं में मनोविज्ञान, समय प्रबंधन जैसी समस्याएं आ रही हैं। वहीं ओटीटी प्लेटफोर्म पर वेब सीरीज या फ़िल्म देखने वालों में कुल 71.7% लोग अकेले देख रहे हैं, यह मानवीय संबंधों और बॉन्डिंग पर गंभीर प्रभाव को दर्शाता है। मनोविज्ञान पर ओटीटी प्रभाव का सकारात्मक पक्ष भी देखा गया क्योंकि 37% लोग कहते हैं कि यह लोगों के मनोरंजन का बेहतर साधन है, जो चिंता मुक्त करने में मदद करता है। लेकिन इसका युवाओं पर प्रभाव से नकारा नहीं जा सकता है।[1]

डॉ. धीमान ने अपने अध्ययन "वेब सीरीज और स्ट्रीमिंग सामग्री का मनोसामाजिक प्रभाव: भारतीय युवाओं पर एक अध्ययन" में पाया है कि ओटीटी प्लेटफार्मों पर उपलब्ध सामग्री हिंसा, यौन और दुर्व्यवहार से भरी है और इसने भारतीय युवाओं पर मनोसामाजिक प्रभाव डाला है। और यह भी निष्कर्ष निकाला है कि वेब सीरीज़ युवाओं की भाषा और व्यवहार को बदल रही हैं। ऐसा लगता है कि युवा पीढ़ी, विशेषकर बच्चे और किशोर, ऑनलाइन स्ट्रीमिंग सामग्री की खपत से सबसे अधिक प्रभावित हैं। युवाओं का अभी भी विकसित हो रहा दिमाग फिल्मों, शो की भाषा, क्रियाएं, उदाहरण, संवाद, गाने सीखता है और बाद में यह लंबे समय तक उनके दिमाग में जगह बनाए रखता है। और परिणामस्वरूप, अनुचित और अश्लील सामग्री के संपर्क में आने से युवा पीढ़ी के व्यवहार और भाषा पर प्रतिकूल प्रभाव और परिवर्तन हो सकता है।[2]

[1] Deshpande, Aditya, et al. (2020). 'STUDY OF IMPACT OF ONLINE STREAMING SERVICES (OSS) ON YOUTH OF 18 TO 24 YEARS GROUP WITH REFERENCE TO NAVI MUMBAI'

[2] International Journal for Research in Applied Science & Engineering Technology (IJRASET) ISSN: 2321-9653; IC Value: 45.98; SJ Impact Factor: 7.538

Year-5 Volume: IV, October-December, 2023 Issue-20 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

विश्लेषण एवं विवेचना

वेबसीरीज में समाहित संवादों का युवाओं पर पड़ने वाले प्रभाव और सामाजिक व मनोवैज्ञानिक अध्ययन करने की प्रक्रिया में हमने पूर्वांचल, उत्तर प्रदेश क्षेत्र के लगभग 200 उत्तरदाताओं (युवा, जिनकी उम्र 18-29 है) के मत को इकट्ठा किया है, जो कि निम्नवत हैं-

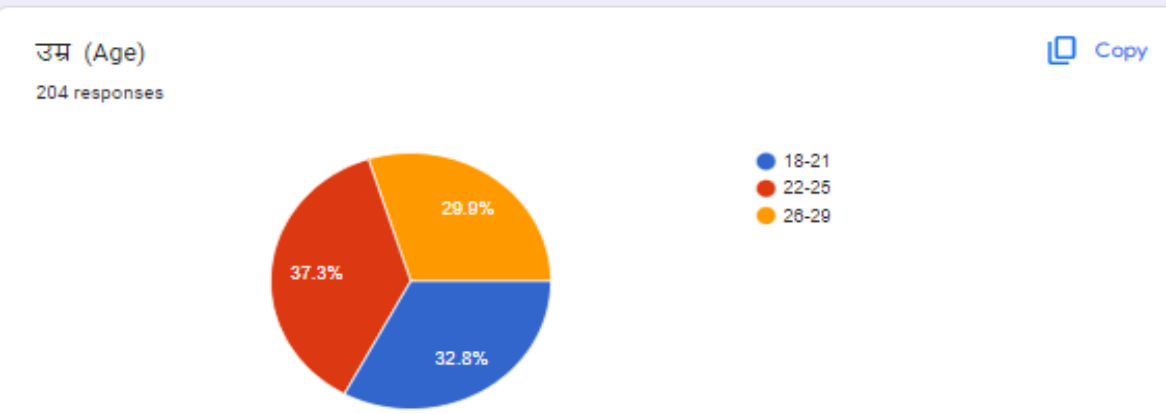

लगभग 200 लोगो द्वारा इकट्ठा किए इस प्रश्नावली में लगभग 33% उत्तरदाता 18 से 21 वर्ष के, 37% उत्तरदाता 22 से 25 वर्ष के और लगभग 30% 26 से 29 वर्ष के शामिल हैं। जिन्होंने विभिन्न सवालों पर अपने अपने मत रखे हैं।

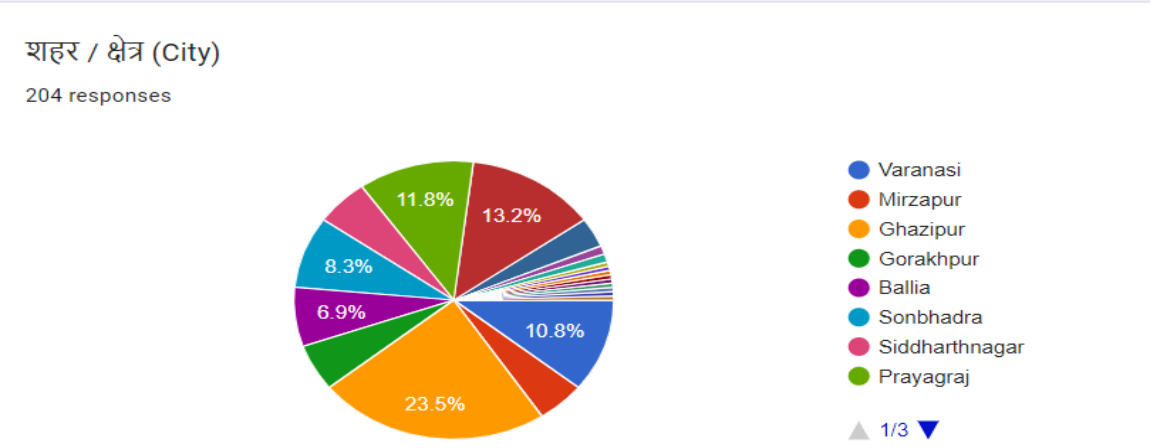

इस शोध कार्य में पूर्वांचल के कुछ मुख्य जिलों/शहरों के युवाओं के मत को इकट्ठा किया गया है। आकड़ों के संकलन में छात्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है।

Year-5 Volume: IV, October-December, 2023 Issue-20 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

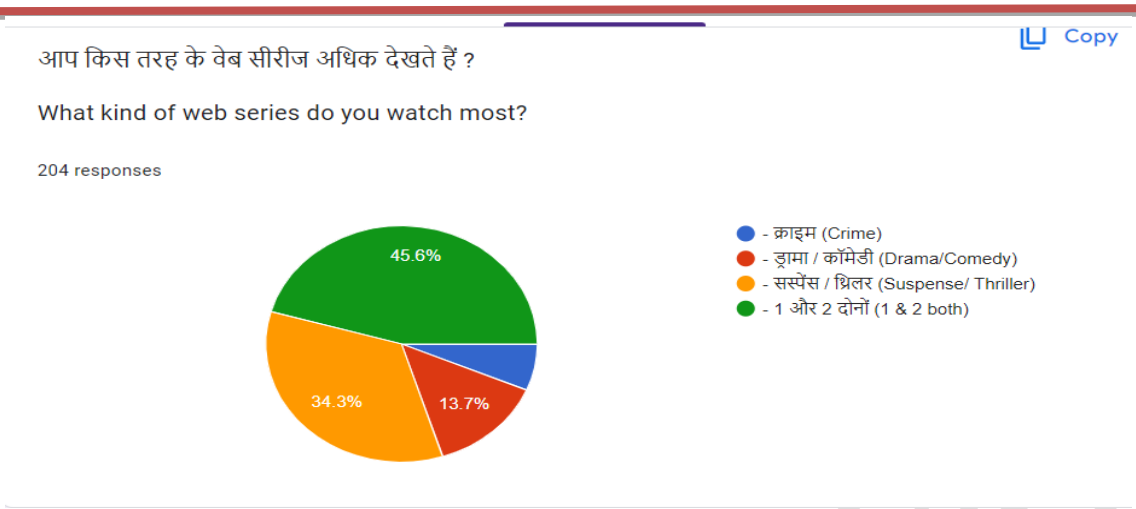

उत्तरदाताओं द्वारा प्राप्त आकड़ों के अनुसार अधिकतर यानी कि लगभग 45% लोग क्राइम, ड्रामा और कॉमेडी से सम्बंधित वेब सीरीज देखना पसंद करते हैं। वहीं लगभग 35% लोग केवल सस्पेंस / थ्रिलर और मात्र 14% लोग केवल ड्रामा/ कॉमेडी से सम्बंधित वेब सीरीज देखना पसंद करते हैं।

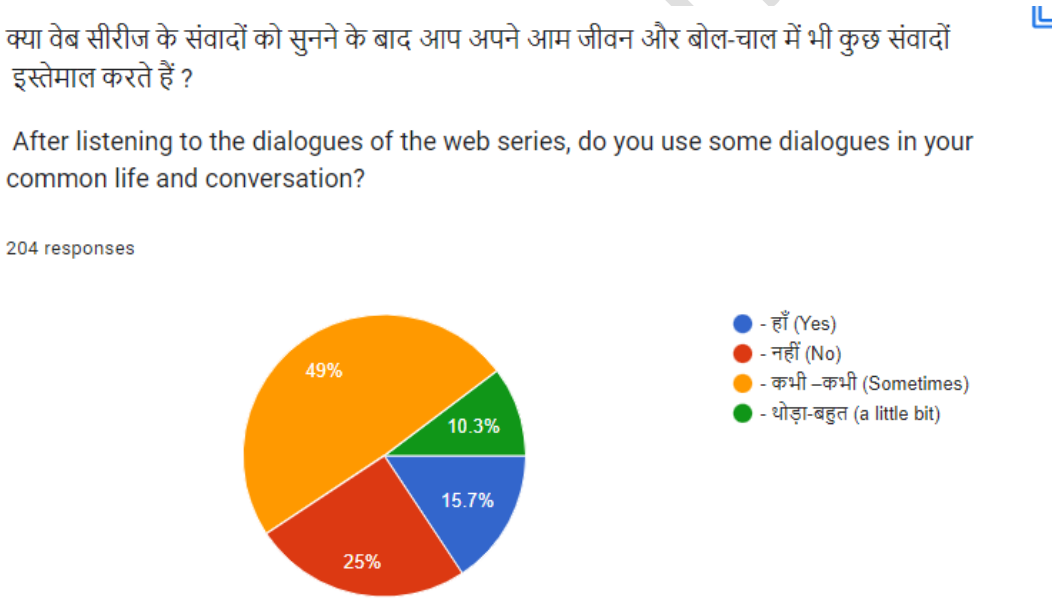

वेब सीरीज या फिल्मों को देखकर प्रायः युवा, अभिनेता या अभिनेत्री के अनुरूप खुद को उस फैशन में ढालते हुए नज़र आते हैं। वहीं बोलचाल में संवादों का प्रभाव भी नज़र आने लगा है। उत्तरदाताओं से मिले आकड़ों के अनुसार 49% लोग मानते हैं कि लोग वेब सीरीज में प्रयोग किए गये कुछ संवादों का प्रयोग कभी-कभी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपने आम जीवन में करते हैं, वहीं 25% लोग मानते हैं कि वे ऐसा नही करते। जबकि लगभग 16% लोग इससे पुरी तरह सहमत है।

Year-5 Volume: IV, October-December, 2023 Issue-20 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

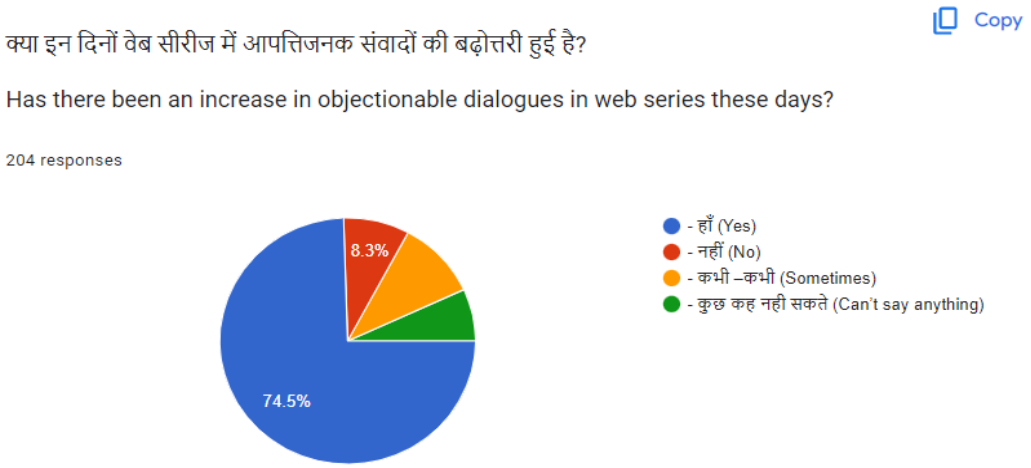

ओटीटी के विस्तार के साथ ही आज वेब सीरीज के माध्यम से परोसे जाने वाले विभिन्न प्रकार के सामग्रियों में भी बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। वहीं परोसे जाने वाले सामग्रियों में कई तरह के आपत्तिजनक चीजे भी तेजी से बढ़ रही हैं। दर्शकों से मिले आकड़ों के अनुसार लगभग 75% लोग मानते हैं कि इन दिनों वेब सीरीज में आपत्तिजनक संवादों में बढ़ोत्तरी हुई है।

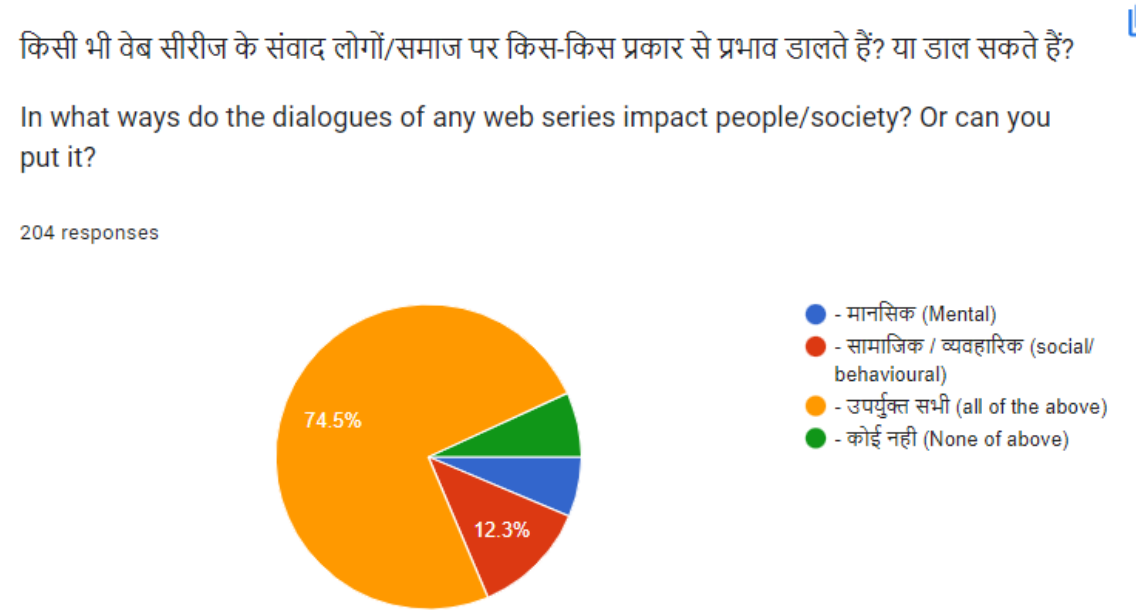

दर्शकों से मिले आकड़ों के अनुसार लगभग 75% लोगों का मानना है कि वेब सीरीज के संवाद लोगों के ऊपर मानसिक, सामाजिक और व्यवहारिक प्रभाव डालते हैं या डाल सकते हैं। यानी कि संवादों का भी दर्शकों के ऊपर किसी न किसी रूप में प्रभाव देखने को मिलता है।

Year-5 Volume: IV, October-December, 2023 Issue-20 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

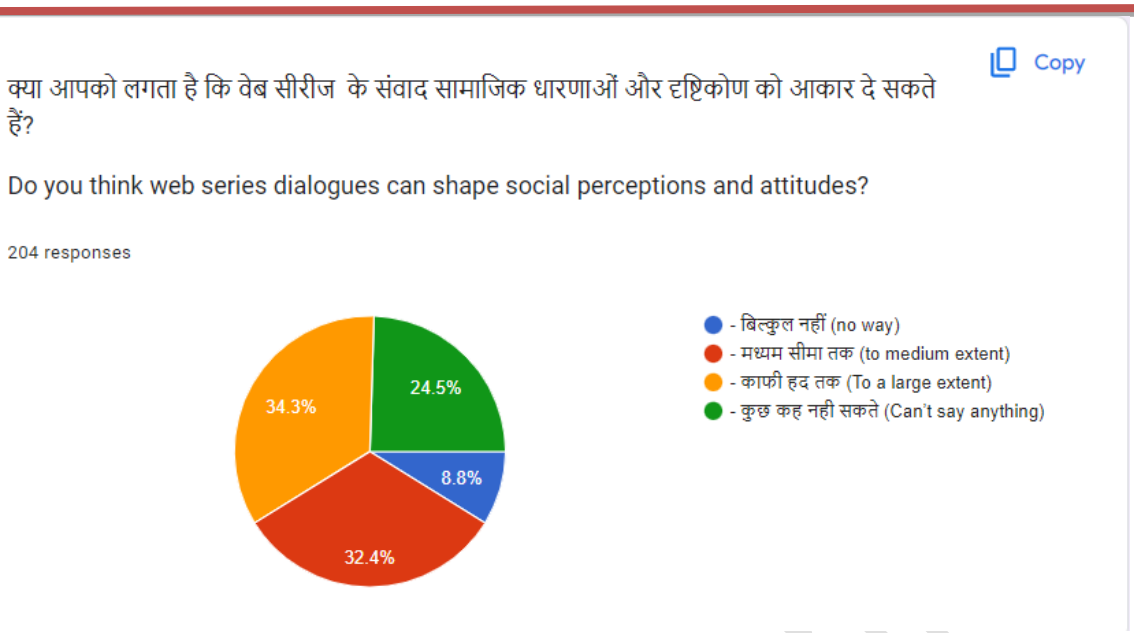

संकलित आकड़ों के अनुसार अधिकतर लोग मानते हैं कि वेब सीरीज के संवाद सामाजिक धारणाओं और दृष्टिकोण को आकार देने में काफी हद तक अपनी अहम भूमिका निभाते हैं। वहीं लगभग उतने ही लोग मानते है कि वेब सीरीज के संवादो का सामाजिक धारणाओं और दृष्टिकोण को आकार देने में थोड़ा बहुत योगदान है।

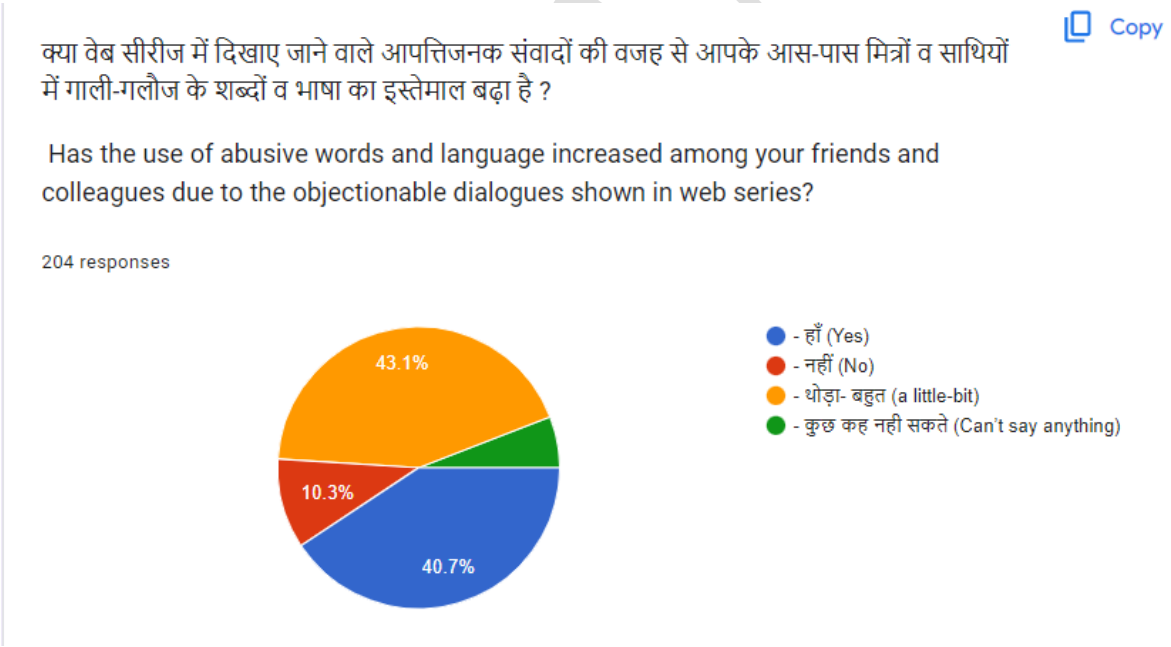

आकड़ों के अनुसार अधिकतर लोग मानते हैं कि वेब सीरीज में दिखाए जाने वाले आपत्तिजनक संवादों की वजह से लोगों में इसका प्रयोग भी थोड़ा बहुत बढ़ा है, वही लगभग 40% लोगो का पुरी तरह से मानना है कि उनके आस पास और साथियों में इसका प्रभाव दिखाई पड़ता है, जिनके बोलने में गाली-गलौज जैसे शब्दों या भाषा का प्रयोग बढ़ा है।

Year-5 Volume: IV, October-December, 2023 Issue-20 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

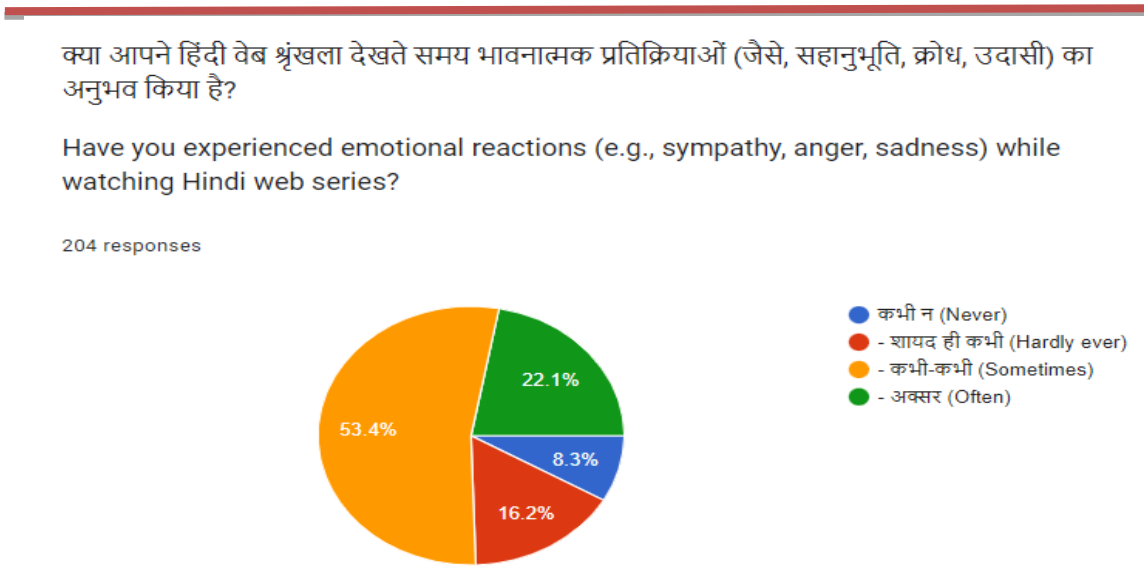

वेब सीरीज के कंटेंट/ संवाद लोगों के ऊपर मनोवैज्ञानिक और व्यवहारिक तरीके से भी प्रभाव डालते हैं। संकलित आकड़ों के अनुसार लगभग 53% लोगों का मानना है कि वे वेब सीरीज देखने के दौरान या बाद उससे सम्बंधित भाव जैसे कि उदासी, क्रोध या सहानभूति जैसी अवस्था की भी अनुभूति करते हैं।

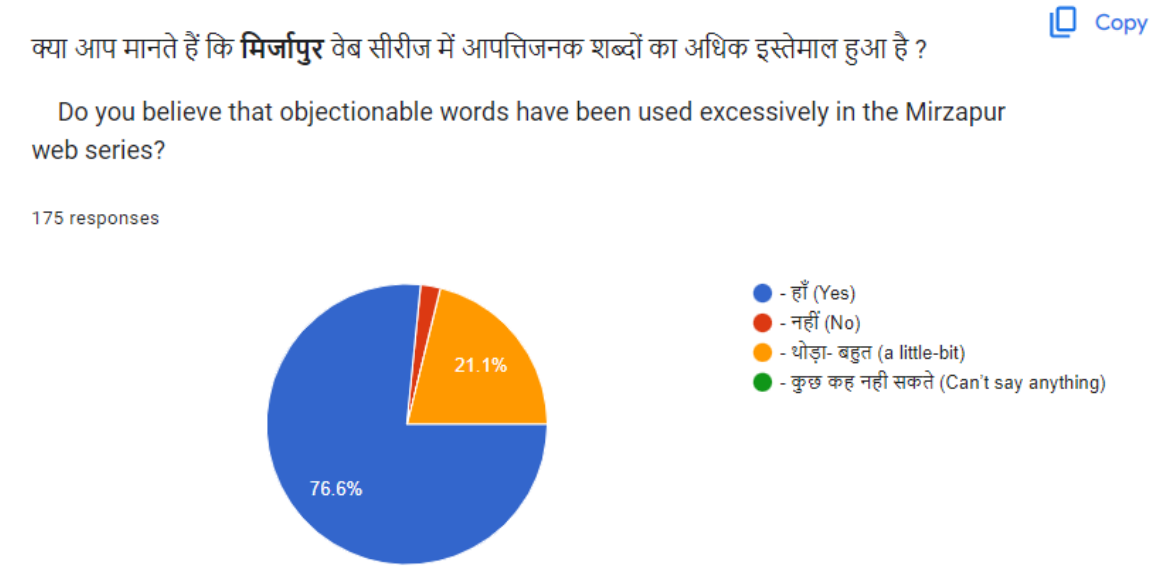

मिर्ज़ापुर वेब सीरीज हिंदी में एक बेहद ही प्रचलित और चर्चित वेब सीरीज है। यह सीरीज अपने किरदारों के अलावा कई संवादों के वजह से भी चर्चा का विषय रहा है। आकड़ों के अनुसार लगभग 77% लोग मानते हैं कि मिर्ज़ापुर वेबसीरीज में आपत्तिजनक शब्दों का अधिक इस्तेमाल हुआ है।

Year-5 Volume: IV, October-December, 2023 Issue-20 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

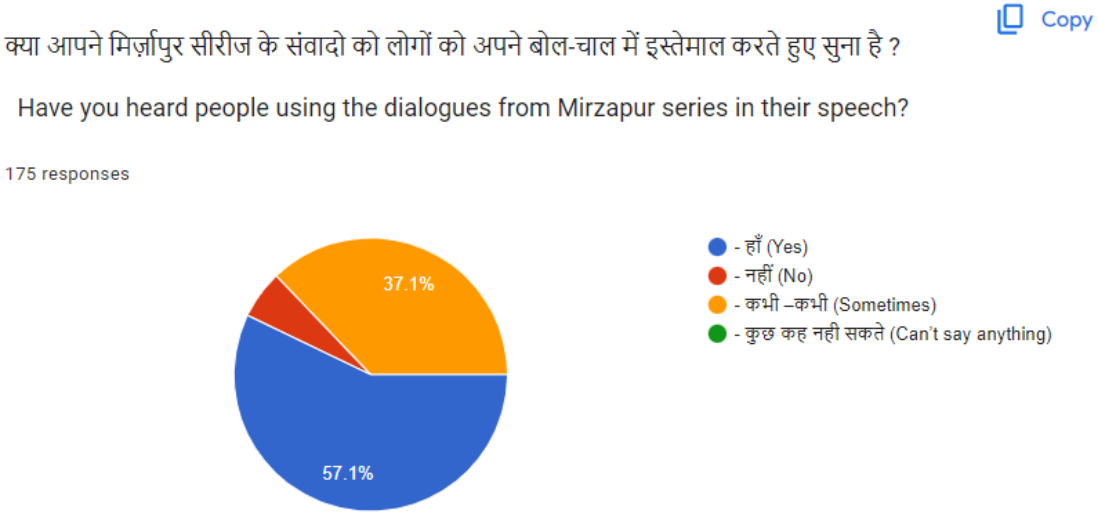

अधिकतर दर्शकों का मानना है कि उन्होंने अपने आस पास लोगों को आम जीवन और बोलचाल में भी मिर्ज़ापुर के संवादो को बोलते हुए सुना है।

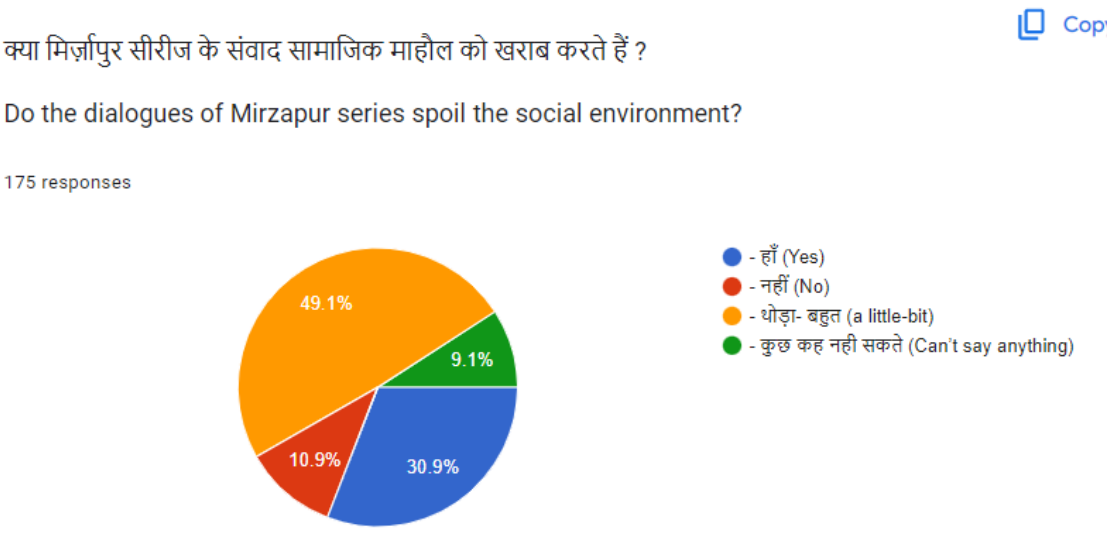

वही संकलित आकड़ों के अनुसार मिर्ज़ापुर वेब सीरीज के संवाद थोड़ा बहुत सामाजिक माहौल / परिदृश्य को भी दूषित करते हैं।

युवा आज कहीं न कहीं आभाषी प्लेटफ़ॉर्म पर देखें गये कंटेंट को वास्तविक जीवन में महसूस करने और लागू करने की कोशिश करता है, जिससे युवाओं का मानसिक और सामाजिक वातावरण दूषित हो रहा है। दूसरी तरफ़ दर्शक जब वेबसीरीज में शामिल इस तरह के कंटेंट का अपने परिवेश से कहीं न कहीं तुलना करता है, जिसका

Year-5 Volume: IV, October-December, 2023 Issue-20 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक प्रभाव समाज में देखने को मिलता है, जो प्रायः नकारात्मक ही देखने को मिलता है।

दर्शकों से मिले आकड़ो के विश्लेषण के बाद कुछ मुख्य बिंदु पाए गये, जो निम्नलिखित हैं –

- पिछले कुछ समय में वेब सीरीज में आपत्तिजनक संवादों, जैसे कि गाली-गलौज और अपमानजनक शब्दों / भाषा की बढ़ोत्तरी हुई है।
- वेबसीरीज में दिखाए जा रहे आपत्तिजनक कंटेंट (जैसे कि नग्नता/ सेक्सुअलिटी, गाली-गलौज, अवैध संबंधो पर आधारित कहानियाँ आदि एक बड़े जनमानस, ख़ास तौर पर युवाओं पर असर डाल रहे हैं और उनके मन-मस्तिष्क को बदल रहे हैं।
- मिर्ज़ापुर सीरीज के संवाद युवाओं में बेहद प्रचलित हुए, ख़ास तौर पर गाली-गलौज वाले संवाद।
- वेब सीरीज के संवाद लोगों के ऊपर काफी हद तक मानसिक, सामाजिक और व्यवहारिक प्रभाव डालते हैं या डाल सकते हैं।

निष्कर्ष

हिंदी वेब सीरीज युवाओं के लिए मनोरंजन का प्रमुख माध्यम बन गई है। इन श्रृंखलाओं में शामिल संवाद युवा पीढ़ी के सामाजिक और मनोवैज्ञानिक दोनों पहलुओं पर गहरा प्रभाव डालते हैं। वे सांस्कृतिक जागरूकता को आकार दे सकते हैं, सक्रियता को प्रेरित कर सकते हैं, स्वस्थ रिश्तों को बढ़ावा दे सकते हैं, भावनाओं को जगा सकते हैं, रोल मॉडल प्रदान कर सकते हैं और मानसिक स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ा सकते हैं। जैसे-जैसे यह माध्यम विकसित हो रहा है, युवाओं के दृष्टिकोण को आकार देने में सामग्री निर्माताओं की जिम्मेदारी को पहचानना और यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि ये संवाद समाज में सकारात्मक बदलाव और समझ को बढ़ावा दें।

आज युवा वेबसीरीज के कुछ पात्रों और परिदृश्यों को भी आदर्श बनाते हैं। वही बात-बात में वेब सीरीज के कुछ प्रचलित संवाद लोग अपने बोल-चाल में उतारने लगते हैं। इनमें कहीं न कहीं नकारात्मक / गाली-गलौज से भरपूर संवाद युवाओं को ज्यादा प्रभावित करते हैं। वहीं आज संवादों के प्रचलित होने में कहीं न कहीं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और मीम्स का अधिक योगदान है, क्योंकि मीम्स के माध्यम से सामान्य संवाद भी युवाओं और लोगों के नज़र में आ जाते है, जिसका वे बाद में उदाहरण लेने लगते है। हमें ओटीटी के कंटेंट में सुधार करने की जरूरत हैं।

संदर्भ सूची

Kanawar, vandana. (2021). EMERGING GENDER ROLE REPRESENTATION IN INDIAN MEDIATHEMATIC ANALYSIS OF FOUR MORE SHOTS PLEASE WEB SERIES

Iyer, Kavitha Venkatasubramany. (2018). A STUDY OF EFFECTIVENESS OF PRODUCT PLACEMENT IN INDIAN WEB SERIES AMONG YOUNG CONSUMERS, Journal of Marketing Management. ISSN : 2230-9667

Reshma, Chaithra. (2020). Proliferation of OTT apps in India: an empirical study of OTT apps and its impact on college, www.ijrar.org (E-ISSN 2348-1269, P- ISSN 2349-5138)

Ahuuja, Rahul. (2020). A STUDY OF EFFECTS OF WEB SERIES & STREAMING CONTENT ON INDIAN YOUTH, , IJCRT, ISSN: 2320-288

Jose, Rohit Jacob. (2020). Factors influencing the shift from traditional TV to OTT platforms in India, International Journal of Advanced Science and Technology, pp. 4044-4051

Banaji, Shakuntala. (July 2004). A qualitative analysis of young Hindi film viewer's Readings of gender, sexuality and politics on-and off screen : Culture, Language and Communication Institute of Education, University of London

Koravi, S Vinod. Analysis of Various Effects of Web Series Streaming Online On Internet on Indian Youth. YashwantAyurved College, Kodoli

Matrix S (2014) The Netflix effect: Teens, binge-watching and on-demand digital media trends. Jeunesse: Young People, Texts. Cultures 6: 119-138.

Mehta S (2019) Precarity and New Media: Through the Lens of Indian Creators. Int J Commun 13: 20.

Monaghan, W. (2017). Starting From… Now and the web series to television crossover: an online revolution? Media International Australia, 164(1), 82-91